पेसा कानून के तहत गाँव विकास नियोजन

विलेज प्रोफाइल

कुबेरा

पंचायत- कोलखंडा खास

तहसील- दोवड़ा

जिला- डूंगरपुर, राजस्थान

पीस

कुबेरा गाँव का इतिहास

कुबेरा गाँववासियों के अनुसार यह गाँव 200 साल पुराना है इस गाँव का नाम कुबा नामक व्यक्ति के कारण पड़ा है । कुबा मध्यप्रदेश के धरा प्रान्त से अपने भाइयो के साथ आये थे । कुबा अपने भाइयो के साथ पहले रामा गाँव में आये फिर बाद में कुबा ने इस गाँव (कुबेरा) में खेती कर परिवार के साथ यही रहना आरम्भ कर दिया । । इसके साथ चार भाई भी परिवारों के साथ आये थे, वे कोलखंडा खास के दूसरे गाँव में चले गये, इस प्रकार से पांचो भाइयो ने एक एक गाँव में खेती करना शुरू किया और रहने लगे । कुबा के वंशज अब इस गाँव में नहीं रहते है ।

कुबेरा गाँव का परिचय

कुबेरा गाँव कोलखंडा खास ग्राम पंचायत का एक राजस्व गाँव है । गाँव डूंगरपुर जिला मुख्यालय से 40 किलोमीटर दूर उत्तर दिशा में स्थित है । कुबेरा गाँव के पड़ोसी निम्नलिखित गाँव है -हडमतिया, जोगीवाडा, रामा, पालमाण्डव, समोता, समोता का ओडा, दरा और खांडा । कुबेरा गाँव की सीमा के उत्तर में समोता, पूर्व में लेण्डिया, पश्चिम में जोगीवाडा, दक्षिण में पाल कोलखंडा गाँव है ।

कुबेरा गाँव में 14 मार्च, 2018 को शिलालेख हुआ है और गाँव सभा व शांति समिति का गठन भी उसी दिन कर दिया गया । गाँव में करीब 100 घर है जिनकी आबादी करीब 500 है। गाँव में एस.टी. और ओ.बी.सी. जाति के लोग निवास करते है । एस. टी. में परमार, भगोरा, रोत और ननोमा उपजाति और ओ.बी.सी. में जोगी समाज के 2 परिवार रहते है । गाँव के ज्यादातर लोगों को राजस्थान सरकार के पेसा कानून के नियमों की जानकारी है । हर माह निश्चित तारीख को गाँव सभा की बैठक की जाती है, जिसमे गाँव के छोटे झगड़े और समस्याओ को सुलझाया जाता है । गाँव में लोग दूर-दूर बसे हुए है । लोग अपने खेतों के पास पहाड़ियों में घर बना कर रहते है । जहां आने जाने के लिये 3 सी.सी. सड़के और 3 कच्ची सड़के है ।

गाँव की कृषि जमीन 250 बीघा, बिलानाम जमीन 142 बीघा है गाँव में चारागाह और जंगल की जमीन भी है । गाँव का जंगल और पहाड़ पर वन विभाग और सरकार का कब्ज़ा है । कुछ चारागाह जमीन पर लोगों ने कब्ज़ा कर रखा है । गाँव के 2 लोग सरकारी विभागों में सेवारत है।

आवागमन की स्थिति

डूंगरपुर के बस स्टैंड से कोलखंडा खास के कुबेरा गाँव जाने के लिए आसेला मोड़ तक बस मिल जाती है । उसके बाद निजी वाहन जैसे मोटर साइकिल या ऑटो और जीप के माध्यम से पालमांडव जाते है । पालमंडाव पंचायत के हडमतिया गाँव से ऑटो और जीप के माध्यम से कुबेरा गाँव में जा सकते है । एक और अन्य रास्ता पुनाली पंचायत के गाँव से होते हुए जीप और ऑटो के द्वारा जा सकते है । गाँव में एक भी पक्की सड़क नहीं है, गाँव के 100 घरों के बीच संपर्क बनाये रखने के लिए 3 सी.सी. सड़के और 3 कच्ची सड़के है । जिनकी पहुँच लगभग 70 घरों तक ही है । जो घर सडक सुविधा से वंचित है उन्हें गाँव में आने-जाने में समस्या होती है, गाँव के इन घरों के लिए पगडण्डिया है जो खेतों और पहाड़ियों के बीच में से होकर गुजरती है । गावं की सी.सी. सड़के भी टूट गयी है । गाँव के मुख्य चौराहे पर एक अस्थायी स्टैंड है जहाँ से ऑटो दूसरे गाँवो में जाने के लिए मिल जाते है, लेकिन सवारी वाहनों के सिमित संख्या में होने के कारण समस्या होती है । लेकिन गाँव के फलों में केवल नीजी वाहन जैसे मोटर साइकिल या पैदल जाया जाता है। खरीदारी के लिए मुख्य बाजार पुनाली 10 किमी और डूंगरपुर 40

किमी दूर है, जहां पर सभी प्रकार की घरेलू खरीदारी के अलावा शादी-ब्याह और त्यौहारों की खरीदारी की जाती है।

स्वास्थय व शिक्षा

गाँव में एक प्राथमिक विद्यालय है जिसमे इस शैक्षणिक वर्ष (2018) में 25 छात्र-छात्राओं का नामांकन हुआ है और मात्र एक अध्यापक को विद्यालय की सभी जिम्मेदारियां दी गयी है । नामांकन कम होने के कई कारण है, जैसे विद्यालय भवन जर्जर होना, छत और फर्श टूटी होना, शौचालय में पानी की व्यवस्था नहीं होना, खेल के मैदान की बाउन्ड्री टूटी हुई है । विद्यालय सम्बन्धी मुख्य समस्याओ में अध्यापकों की कमी, पीने के लिए शुद्ध पानी की व्यवस्था नहीं होना भी शामिल है । गाँव में पानी में फ्लोराइड की मात्रा बहुत ही ज्यादा है । इन सभी कारणों की वजह से गाँव के बच्चे स्कूल नहीं जाते है या ड्राप आउट की समस्या ज्यादा है ।

गाँव में 1 आंगनवाडी है जिसमे अभी 12 बच्चे जाते है, आंगनवाडी की छत से पानी टपकता है और पीने के पानी की व्यवस्था नहीं है, इस कारण गाँव के बच्चे उसमे कम ही जाते है ।

गाँव में कोई उपस्वास्थ्य केन्द्र नहीं है, इसके लिए जोगीवाडा जाना पड़ता है । सरकारी हॉस्पीटल गाँव से 15 किमी दूर दामडी में है। बडा हॉस्पीटल 40 किमी दूर डूंगरपुर में है। हॉस्पिटल के लिए निजी वाहन की मदद ली जाती है क्योंकि सड़क सुविधा न होने के कारण एम्बुलेंस या 108 गाँव में नहीं जाती है ।

सरकारी योजनाएँ

गाँव के सभी घरों में बिजली है। गाँव में 88 आवास विभिन्न योजनाओं के तहत बन चुके है, जिसमें से 04 इंदिरा आवास, 04 प्रधानमंत्री आवास और 80 मुख्यमंत्री आवास योजना के लाभार्थी है। गाँव में 18 पेंशनधारी है, जिनमें 8 महिलाओं तथा 7 पुरूषों को वृद्धावस्था पेंशन और 02 महिलाओं को विधवा पेंशन मिलती है । गाँव में लगभग 60 घरों को उज्ज्वला गैस योजना के तहत चूल्हा और गैस सिलेन्डर उपलब्ध करा दिया गया है।

कृषि और रोजगार की स्थिति

गाँव में कृषि की जमीन 250 बीघा है । अधिकतर कृषि जमीन पहाड़ी, उबड़-खाबड़ और पथरीली है, खेती में बरसात में होने वाली फसल मक्का, उडद, मूंग और चना उगायी जाती है । 2 या 3 किसान गेहूँ भी उगाते है । कृषि से होने वाला खाद्यान्न केवल चार पांच माह ही चल पाता है । फिर बाजार से या राशन की दुकान से खरीदकर लाना पड़ता है ।

गाँव में रोजगार की स्थिति ख़राब है, रोजगार के नाम पर मनरेगा का काम गाँव में चलता है जिसमे महिलायें ज्यादा जाती है क्योंकि पुरुष बाहर जाकर कड़िया मजदूरी करते है या डूंगरपुर शहर में आते है और गुजरात में अहमदाबाद, मोडासा, हिम्मतनगर जाते है, जहां वे खेतों में तथा फेक्ट्री में काम करते है। कई बार शहर में काम ना मिलने पर खाली हाथ घर जाना पड़ता है ।

सिंचाई के पानी की स्थिति

गाँव की कृषि व्यवस्था बारिश पर निर्भर है । बारिश के बाद पानी दो माह के लिए ही मिल पाता है । सिंचाई के लिए 2 छोटे तालाब है जिसमे दो नालों की वजह से पानी की आवक होती है । 1 एनीकट है जो अच्छी हालत में है लेकिन एनिकट की ऊंचाई कम होने के कारण पानी का भराव भी कम है । गाँव में एक नहर भी है जो अधूरी है । गाँव में 16 कुएं है जिसमे से 5 कुएं पूरे साल सूखे ही रहते है । सभी

जल-स्रोतों में मध्य ग्रीष्म ऋतु में पानी बहुत कम हो जाता है । गर्मी में भूमिगत जल-स्तर 200 फीट नीचे चला जाता है और पानी की कमी हो जाती है ।

कुबेरा गाँव की चिन्हित समस्याओं का विवरण

प्राकृतिक संसाधन

25 - 30 सालों पहले गाँव में पहाड़ो पर जंगल काफी हरा-भरा था, उसमे सागवान, महुआ और आम के पेड़ बहुतायत थे । लेकिन वन विभाग के कब्जे में जाने के बाद जंगल बर्बाद हो गया है, अब उसमे केवल बबूल के कटीले पेड़ है । जो ना गाँव के लोग जलाने के काम में ले सकते है ना अन्य किसी काम में । जंगल की जमीन भी अब बहुत कम बची है । गाँव का जंगल और पहाड़ पर वन विभाग और सरकार का कब्ज़ा है । कुछ चारागाह जमीन पर लोगों ने कब्ज़ा कर रखा है । उसपर घास एवं महुआ के पेड़ है, जिसे गांव के लोग अपने उपयोग में लेते है । जंगल को अपने कब्जे में लेने के लिये अभी तक सामुदायिक वन अधिकार पत्र लेने की फाइल नहीं लगायी गयी है ।

जल प्रबंधन व भूमि प्रबंधन की कमी

गाँव के खेतों में सिंचाई के पानी का संकट रहता है जिस कारण मात्र बरसात में होने वाली फसल ही होती है । गाँव के तालाब, एनिकट जल्दी ही सूख जाते है, कम ऊँचाई और गहराई कम होने के कारण सालभर पानी नहीं रहता है। गाँव में पानी का स्तर 200 फुट गहराई में चला गया है । गाँव में 16 कुएं है, जिसमे से 5 सूखे ही रहते है बाकी के कुओं में गर्मी के समय पानी इतना ही बचता है कि पशुओ के लिए पीने के पानी की व्यवस्था हो जाती है । पेयजल की सुविधा के लिए गाँव में 14 हेण्डपम्प है। जिनमें से 7 हैंडपंप कम गहराई होने के कारण सूखे ही रहते है, बाकी हैंडपंपों से पूरे साल पीने का पानी मिल जाता है । यदि कोई हैंडपंप ख़राब भी हो जाते है तो गाँव के लोग पंचायत और जलदाय विभाग को बताकर उसे ठीक करवा लेते है । सभी हेण्डपम्प और बोरवेल का पानी खारा फ्लोराइड युक्त है । वर्षाजल को संरक्षित करने के विषय की ओर गाँव के लोगों ने कोई ध्यान नहीं दिया है न ही पंचायत और सरकार इस समस्या की ओर ध्यान दे रही है । गाँव में ज्यादातर व्यक्तियों को उनके कब्जे की जमीन के व्यक्तिगत पट्टे नहीं मिले है । गाँव में जिन लोगों के पास खातेदारी हक है वो कब्जे की जमीन से बहुत कम है । आबादी बढ़ने से कृषि-जोत भी कम हो रही है । गाँव की चारागाह की जमीन पर लोगों ने अपना घर और खेत काट कर कब्ज़ा कर लिया है, छोटी-छोटी डुंगरियों पर भी लोगो ने कब्ज़ा कर रखा है। ज्यादातर खेत पहाड़ी, उबड़-खाबड़ और पथरीले है, उन्हें समतलीकरण की आवश्यकता है ।

आवागमन की समस्या

कुबेरा गाँव में एक भी पक्की सड़क नहीं है, गाँव में 3 सी.सी. सड़के और 3 कच्ची सड़के है जिनसे लगभग 70 घरों के बीच संपर्क बना रहता है । जो घर सड़क सुविधा से वंचित है उन्हें गाँव में आने-जाने में समस्या होती है, गाँव के इन घरों के लिए पगडण्डिया है जो खेतों और पहाड़ियों के बीच में से होकर गुजरती है । गावं की सी.सी. सड़के भी टूट गयी है । गाँव के भीतरी फलों में जाने के लिए जितनी भी पगडण्डिया है वो इतनी सकरी है कि राहगीर पैदल या मोटर साइकिल से ही जा सकते है । बारिश के मौसम में मिटटी की कच्ची सड़कों पर चलने वालो को काफी ज्यादा परेशानियों का सामना करना पड़ता है । गाँव के मुख्य चौराहे पर एक अस्थायी स्टैंड है जहाँ से ऑटो दूसरे गाँवो में जाने के लिए मिल जाते

है, लेकिन सवारी वाहनों के सिमित संख्या में होने के कारण समस्या होती है । लेकिन गाँव के फलों में केवल नीजी वाहन जैसे मोटर साइकिल या पैदल जाया जाता है।

शिक्षा एवं स्वास्थ्य की स्थिति

गाँव में एक प्राथमिक विद्यालय है जिसमे इस शैक्षणिक वर्ष (2018) में 25 छात्र-छात्राओं का नामांकन हुआ है और मात्र एक अध्यापक को विद्यालय में नियुक्त किया गया है । नामांकन कम होने के कई कारण है, जैसे विद्यालय भवन जर्जर होना, छत और फर्श टूटी होना, शौचालय में पानी की व्यवस्था नहीं होना, खेल के मैदान की बाउन्ड्री टूटी हुई है । विद्यालय सम्बन्धी मुख्य समस्याओ में अध्यापकों की कमी, पीने के लिए शुद्ध पानी की व्यवस्था नहीं होना भी शामिल है । अध्यापकों और कमरों की कमी के कारण सभी बच्चे एक साथ बैठ कर पढाई करते है, जिससे न केवल बच्चों की पढाई बाधित होती बल्कि ज्ञानार्जन गुणवत्ता में भी कमी आती है । इन सभी कारणों की वजह से गाँव के बच्चे स्कूल नहीं जाते है या ड्राप आउट की समस्या ज्यादा है ।

गाँव में 1 आंगनवाडी है जिसमे छत से पानी टपकता है और पीने के पानी की व्यवस्था नहीं है, छोटे बच्चों के अक्षर ज्ञान के लिए पठन-सामग्री भी नहीं है । इस कारण गाँव के बच्चे कम ही जाते है । गाँव में उपस्वास्थ्य केन्द्र नहीं है, इसके लिए जोगीवाडा जाना पड़ता है । सरकारी हॉस्पीटल गाँव से 15 किमी दूर दामड़ी में है, जिसके लिये टेम्पो या 108 की सुविधा है। बडा हॉस्पीटल 40 किमी दूर डूंगरपुर में है। हॉस्पिटल के लिए निजी वाहन की मदद ली जाती है क्योंकि सड़क सुविधा न होने के कारण एम्बुलेंस या 108 गाँव में नहीं जाती है ।

पशुपालन संबंधित समस्या

गाँव में गाय, बैल, भैंस व बकरीपालन किया जाता है । चारागाह जमीन पर लोगो ने कब्ज़ा कर लिया है उस पर पशुओं के प्र्याप्त मात्रा में चारा नही होता है। पर्याप्त मात्रा में बारिश ना होने के कारण खेतों में जो चारा उगता है, वह केवल चार या पांच माह ही चल पाता है उसके पश्चात खरीद कर लाना पडता है। पर्याप्त और पौष्टिक आहार के अभाव में दूधारू पशु दूध भी कम देते है । दूधारू पशु भी अच्छी नस्ल के नही है ।

कृषि एवं खाद्यान्न की स्थिति

गाँव में कृषि की जमीन 250 बीघा है । अधिकतर कृषि जमीन पहाड़ी, उबड़-खाबड़ और पथरीली है, खेती में मक्का, उडद, मूंग और चना उगाया जाता है । 2 या 3 किसान गेहूँ भी उगाते है । कृषि से होने वाला खाद्यान्न केवल पांच माह ही चल पाता है । फिर बाजार से या राशन की दुकान से खरीदकर लाना पड़ता है । गाँव में भू-जल स्तर 200 फुट से भी नीचे चला गया है। जिन कृषकों के पास सिंचाई करने के लिए बोरवेल है वे मोटर के जरिये पानी निकाल कर गेहूँ और धान की फसल का उत्पादन करते है । खेती में अधिकं रासायनिक खाद का उपयोग और सिचाई के पानी में ज्यादा खारापन होने के कारण जमीन कठोर हो गयी है और उत्पादन घट गया है । गाँव में सिंचाई के पानी की व्यवस्था के लिये अधिकतर जल-स्रोतों में गर्मी के मौसम में पानी कम हो जाता है। गाँव में राशन की दुकान नहीं है, इसके लिए जोगीवाडा जाना पड़ता है । राशन की दुकान पर जब तक घर में शौचालय नहीं बन जाता तब तक राशन नहीं दिया जायेगा जैसा सरकारी आदेश भी समस्या बढ़ा रहा है, पॉस मशीन में फिंगरप्रिंट ना आना या इन्टरनेट कनेक्टिविटी की भी समस्या रहती है कई बार तो लोगो को बार बार अपनी दिहाड़ी मजदूरी छोड़ कर

लाइन में लगना मज़बूरी रहती है । कुबेरा गांव में जिन परिवारों को उज्जवला गैस कनेक्शन नहीं मिला है उनका केरोसीन बंद कर दिया गया है क्योंकि सरकारी रिकॉर्ड के अनुसार गाँव में उज्जवला गैस योजना लागू हो गयी है ।

आजिविका एवं रोजगार के साधनों की कमी

गाँव में रोजगार की स्थिति ख़राब है, रोजगार के नाम पर खेती, कडिया काम और मनरेगा गाँव में चलता है जिसमे महिलायें ज्यादा जाती है क्योंकि पुरुष बाहर जाकर कड़िया मजदूरी करते है । अभी मनरेगा में जो मजदूरी दी जा रही है वह भी 100 रूपये तक ही दी जाती है। कुछेक लोगों को काम करने के बाद मस्टरोल के रूपये नहीं मिले है। गाँव में रोजगार ना मिलने पर लोग डूंगरपुर शहर में आते है और गुजरात में अहमदाबाद, मोडासा, हिम्मतनगर जाते है, जहां वे खेतों में तथा फेक्ट्री में काम करते है। कई बार शहर में काम ना मिलने पर खाली हाथ घर जाना पड़ता है । अधिकतर युवा अपने परिवार के साथ ही शहरों में चले जाते है ताकि बेहतर जिन्दगी और बच्चों कों अच्छी शिक्षा मिल पाए । इस कारण गाँव से पलायन भी बढ़ गया है । रोजगार के साधनों के अभाव के पीछे मुख्य कारण अच्छी तकनीकी शिक्षा नहीं मिलना और उन्नत खेती के प्रशिक्षण का अभाव है ।

अन्य

गाँव में श्मशान घाट नहीं है इसके लिए दूसरे गाँव की सीमा के पास वाले श्मशान में दाह-संस्कार करते है । गाँव में आर.प्लांट की सुविधा नहीं है जिस कारण लोग फ्लोराइड युक्त पानी पीने के लिए मजबूर है । गाँवसभा की बैठक में पाया गया है कि गाँव के 11 लोगों को आवास योजना का लाभ नही मिला है । 03 परिवारों का खाद्य सुरक्षा योजना के अंतर्गत राशनकार्ड नहीं बना है और 08 श्रमिक कार्ड नहीं बन पाए है ।

गाँव में उपलब्ध संसाधन, उनकी हालत और संभावनाएं-

संसाधन	हालत	सम्भावना
जल नाला एनिकट तालाब कुआं हैण्डपम्प	गाँव में 2 नाले और 2 छोटे तालाब है जिनमे पानी गर्मी में बिल्कुल सूख जाता है गाँव में एक एनिकट भी है लेकिन की ऊंचाई कम होने से पानी का भराव भी कम समय के लिए होता है । पूर्व में एक नहर शुरू की गयी थी लेकिन उसे बीच में ही अधूरी छोड़ दिया गया नाला खेतों से गुजरता है । उनमे पानी बारिश के समय ही रहता है, गाँव में जल सुविधा के लिए 16 कुएं और 14 हैंडपंप है जिनमे से 5 कुएं और 7 हैंडपंप सूखे ही रहते है । गाँव में पानी का स्तर 200	सौरऊर्जा चालित आर.ओ. प्लांट फ्लोराइड मुक्त पेयजल के लिए गाँव में लगवाना । नाले की रिन्गवाल बनाकर खेतों के बीच में पानी के लिए छोटे पक्के गड्डे बनाना ताकि सिंचाई के लिए पानी को रोका जा सके । तालाब को गहरा करवा कर रिंगवाल बनाई जाये और एनीकट की ऊंचाई बढ़ाना । इससे ज्यादा समय तक पानी रह सकता है तथा सिचाई भी पूरी हो सकती है । गाँव में बरसात के पानी को ज्यादा से ज्यादा रोक कर, कुएं रिचार्ज करके जल स्तर ऊंचा किया जा सकता है।

	फीट पर है जो जल-स्रोत चालू है उनका पानी भी फ्लोराइड युक्त है । चालू कुओं के पानी से सिंचाई और मवेशियों के पानी के लिये व्यवस्था की जाती है ।	
जमीन कृषि भूमि बिला नाम भूमि चरागाह पहाड़	गाँव में ज्यादातर व्यक्तियों को उनके कब्जे की जमीन के व्यक्तिगत पट्टे नहीं मिले है । गाँव में जिन लोगों के पास खातेदारी हक है वो कब्जे की जमीन से बहुत कम है । आबादी बढ़ने से कृषि-जोत भी कम हो रही है । बेनामी जमीन, जंगल पर सरकार और वन विभाग का अधिकार है। पहाड़ियों पर जंगल में विलायती बबूल के पेड़ है । गाँव की चारागाह की जमीन पर लोगों ने अपना घर और खेत काट कर कब्ज़ा कर लिया है, ज्यादातर खेत पहाड़ी, उबड़-खाबड़ और पथरीले है, गांव के जंगल को अपने कब्जे में लेने के लिये अभी तक सामुदायिक वन अधिकार पत्र लेने की फाइल नहीं लगायी गयी है।	गाँवसभा प्रस्ताव में दर्ज करवाकर केटेगरी-4 में भूमि समतलीकरण अपना काम योजना के तहत करवाकर उसे अधिक उपजाऊ बनाया जा सकता है। गाँव की जिस जमीन पर खेती नहीं होती है या जंगली घास है उसे साफ करके वृक्षारोपण रोपण करना, लघुवनोपज से आय के साधन बनाए जा सकते हैं। जंगल को गाँव के अधीन लेकर बबूल को हटाकर जंगल को फिर से जीवित करना और लघुवन उपज लेना ।
सड़क कच्ची सड़क सी.सी. सड़क पक्की सड़क	गाँव में एक भी पक्की सड़क नहीं है । सी.सी. सड़के भी टूट गयी है, उनमे खड्डे पड़ गये है । पगडण्डिया इतनी सकरी है कि राहगीर पैदल या मोटर साइकिल से ही जा सकते है । बारिश के मौसम में मिटटी की कच्ची सड़कों पर चलने वालो को काफी ज्यादा परेशानियों का सामना करना पड़ता है । सड़कों के अभाव में मरीजों और गर्भवती महिलाओ को समय पर सुविधा नहीं मिल पाती है और स्कूल जाने वाले बच्चों को परेशानी होती है ।	गाँव के सभी कच्चे रास्ते चौड़े करके सी.सी. सड़क में बदले जाये और टूटी सी.सी. सड़क को पुनः बनाया जाये तो गाँव के भीतरी इलाके में आवागमन में सुविधा होगी । सम्भव हो तो सभी घरों कों सी.सी. सड़क से जोड़ा जाना चाहिए ।
प्राथमिक स्कूल	गाँव में 1 प्राथमिक स्कूल है । प्राथमिक स्कूल का भवन कमजोर हो गया है,	स्कूल की मरम्मत और नये कमरे बनवाना । शौचालय की भी मरम्मत करवा

	स्कूल में अध्यापकों की कमी, कमरों की कमी, बारिश में पानी टपकने की समस्या है । शौचालयों में पानी की व्यवस्था नहीं है । पीने के शुद्ध पानी की व्यवस्था भी नहीं है । इन सभी कारणों की वजह से गाँव के बच्चे स्कूल नहीं जाते है या ड्राप आउट की समस्या ज्यादा है । बच्चों की पढाई का स्तर भी गिर गया है ।	कर पानी की व्यवस्था करना । स्कूल में बच्चों के पीने के पानी के लिए आर.ओ. प्लांट लगाया जा सकता है ताकि बीमारियों से मुक्त रहे । पूरे अध्यापक नियुक्त किये जाये । बच्चे अपनी पढाई अधूरी ना छोड़े इसके लिए शिक्षा को सरल और रुचिकर बनाना चाहिए जैसे खेल के माध्यम से पढाई करवाना ।
आंगनबाड़ी केंद्र	आंगनवाडी की छत से पानी टपकता है, पीने के पानी, शौचालय और छोटे बच्चों के अक्षर ज्ञान के लिए पठन-सामग्री की आवश्यकता है ।	छत और फर्श की मरम्मत, शौचालय निर्माण, छोटा आर.ओ. प्लांट लगवाना । खेलने और अक्षर ज्ञान के लिए समुचित प्रबन्ध करना ।
शमशान घाट	गाँव में कोई श्मशान घाट नहीं है । दाह-संस्कार के लिए दूसरे गाँव के श्मशान में जाना पड़ता है । वहाँ जाने के लिए सड़क भी नहीं है ।	गाँव की खाली जमीन शमशान घाट के लिए देना । श्मशान घाट पर चबूतरा, छाया के लिए टिनशेड और एक कमरा बनवाना । जाने के लिए सी.सी.सड़क बनवाना ।

गाँव सभा द्वारा चिन्हित मुख्य समस्याएं, उनके कारण, प्रस्तावित समाधान एवं वरीयता

क्र. सं.	समस्याएं	सार्वजनिक/ व्यक्तिगत	कारण	समाधान	तात्कालिक/ दीर्घकालिक
1	**शिक्षा सम्बंधित समस्या**	**सार्वजनिक**	गाँव में एक प्राथमिक स्कूल है, स्कूल में अध्यापक नही है, जर्जर हो गया है । स्कूल में खेल का मैदान और शौचालय की स्थिति सही नहीं है । पीने के शुद्ध पानी की सुविधा नहीं है । कक्षा-कक्षों की कमी है ।	गाँव सभा में प्रस्ताव लेकर अध्यापक नियुक्ति, कमरा निर्माण, शुद्ध पानी की व्यवस्था और नये शौचालय बनवाने हेतु पंचायत और शिक्षा विभाग से ज्ञापन देकर समस्या हल करना ।	तात्कालिक
2	**पेयजल की समस्या**	**सार्वजनिक**	गाँव में भू-जल 200 फिट गहराई में चला गया है । गाँव में आधे कुएं और हैंडपंप सूखे है और जो चालू	जो हैंडपंप बंद हो गये है उन्हें गहरा कर चालू करवाना और गाँव में आर.ओ. प्लांट लगवाना	**दीर्घकालिक**

			है उनका पानी फ्लोराइड युक्त है। तालाब कम गहरे और एनिकट छोटे है तथा ऊंचाई भी कम है । पानी कम रुकने से पशुओ के लिए भी पानी कम हो जाता है ।	ताकी फ्लोराइड मुक्त पेयजल मिल पाए । गाँव में बरसात के पानी को एनिकट और तालाब में ज्यादा से ज्यादा रोक कर, कुएं रिचार्ज करके जल स्तर ऊंचा किया जा सकता है। इसके लिए गाँव सभा द्वारा बैठक में प्रस्ताव भी लिया गया है ।	
3	**कृषि संबधी समस्या**	**सार्वजनिक**	गाँव की कृषि योग्य उपलब्ध भूमि उबड़ खाबड़ है। बारिश में 2 बरसाती नाले बहते है । बरसात का पानी गाँव में रोकने के लिए 1 छोटा एनिकट और 2 छोटे तालाब है लेकिन एनिकट की ऊंचाई कम होने से पानी जल्दी ख़त्म हो जाता है ।	अपना खेत-अपना काम योजना के अंतर्गत उबड़ खाबड़ खेतों को समतल करना, बारिश के पानी को रोकने के लिए खेतों में कच्चे चेकडैम और पक्के टांके का निर्माण। घर के आँगन में पानी को रोकने के लिए टाके (पक्के खड्डे) बनवाना ।	**तात्कालिक**
4	**रास्ते की समस्या**	**सार्वजनिक**	गाँव में सड़कों की हालत ख़राब है । सी.सी. सड़के टूटी हुई है । कच्ची सड़के भी बारिश के समय कीचड़ में हो जाती है । राहगीरों, बीमारों, स्कूल जाने वाले बच्चों और रात को आने-जाने में समस्या रहती है ।	गाँवसभा बनने के बाद बैठकों में कच्ची सड़क को सी.सी. सड़क में बदलना और जहां जहां रास्ते नहीं है वहां के प्रस्ताव लिए गए हैं । टूटी हुई सी.सी. सड़कों को ठीक करवाने के लिए पंचायत में प्रस्ताव देना । सी.सी. सड़कों की संख्या बढ़ाना ।	**तात्कालिक**
5	**सरकारी योजनाओं की सहीं क्रियान्विति**	**व्यक्तिगत**	गाँव में कुछ लोगो को आवास योजना का लाभ नहीं मिल पा रहा है । उनके नाम सूची में नहीं जुड़े है,	गाँवसभा के जागरूक सदस्यों के द्वारा लोगों का आवास निर्माण हेतु आवेदन कराना और	**तात्कालिक**

	ना होना - आवास निर्माण, पेंशन संबधी समस्या		जिनके आवास तैयार है उनको पूरी राशि का भुगतान नहीं हो पाया है । गाँव में सरकारी कागजातों में उम्र अलग-अलग होने से भी लोगों की पेंशन भी बंद है।	बकाया राशि का भुगतान कराना। जिन लोगों को पेंशन बंद हो गयी है या नहीं मिल पा रही है उनको पेंशन योजना से जोड़ना।	
6	**काबिज भूमि पर खातेदारी का हक नहीं मिलना और सामुदायिक भूमि पर अधिकार नहीं**	**सार्वजनिक**	गाँव में अधिकतर लोगों को उनके कब्जे की जमीन का खातेदारी हक नहीं मिला है । जिन्हें मिला है वो भी कब्जे की कुल जमीन का कम हिस्सा है । वर्तमान में राजस्व विभाग ने खातेदारी हक देना बंद कर दिया है। जिसके कारण भविष्य में सरकारी फरमानों से जमीन जाने का खतरा है । जानकारी के अभाव में गाँव के लोगो ने जंगल पर दावा फाइल नहीं लगाई है ।	कब्जे की जमीन के लिए व्यक्तिगत दावा और जंगल की जमीन के लिए सामुदायिक दावा करना । कब्जे की जमीन की पैनल्टी कोर्ट में जमा करना और धारा 91 के अनुसार काबिज जमीन का नियमन कराना। गाँव सभा द्वारा सबकी फाइल तैयार करके एक साथ राजस्व विभाग में दावे का मुकदमा करना।	**दीर्घकालिक**
7	**खाद्य सुरक्षा का पूरा लाभ नहीं मिलना**	**सार्वजनिक**	राशन की दुकान दूसरे गाँव में है, वहां दूसरे गाँव से भी लोग आते है और अक्सर पॉस मशीन में फिंगरप्रिंट न मिलना या इन्टरनेट से कनेक्ट न होने की समस्या आती रहती है । राशन की दुकान पर गेहूं के अलावा कुछ नहीं मिलता है, दुकान पर मिट्टी का तेल देना बंद कर दिया गया है ।	राशन की दुकान ऐसे स्थान पर हो जहाँ इन्टरनेट की समस्या ना आये । जिन लोगों को राशन नहीं मिल रहा है उनके नाम योजना में जुड़वाने के लिए गाँव सभा में प्रस्ताव लेना । जिन्हें उज्ज्वला गैस का लाभ नहीं मिला है उन्हें मिट्टी का तेल दिलवाना ।	**तात्कालिक**

संसाधन आंकलन व SWOT विश्लेषण

S- Strengths शक्तियां	W- Weakness कमजोरी	O- Opportunities अवसर	T- Threats चुनौतियां
आवागमन - कच्चे रास्ते, सी.सी. सड़क, पक्की सड़कें	गाँव में आने-जाने के लिए सी.सी. सड़क और कच्ची सड़क ही है । सी.सी. सड़के टूटी हुई है । कच्ची सड़के ज्यादा नहीं है । पहाड़ियों पर केवल पगडण्डियों से ही जा सकते है ।	रास्ते अच्छे होने से बीमार लोगों को आसानी से समय रहते इलाज मिल सकता है । लोगों को आने जाने में समय की बचत होगी ।	गाँव सभा कमेटी का मजबूती से काम नहीं करना और पंचायत पर दबाव नही बनाना । गाँव के लोग समस्या को लेकर दबाव नहीं बनाते है कि यह कार्य सरकार व पंचायत का है ।
जल नाला तालाब एनिकट कुआं हैंड पंप	गाँव में 2 बरसाती नाले, 2 छोटे तालाब और 1 एनिकट है लेकिन बारिश कम होने और स्रोतों के जल-ग्रहण क्षमता कम होने से गर्मी में पानी सूख जाने से संकट हो जाता है । कुओं को रिचार्ज करने की व्यवस्था नहीं करना । जल संरक्षण के बारे में गाँव वालों में जागरूकता न होना ।	तेज पहाड़ी ढलान और नालों पर कच्चे और पक्के चेकडेम निर्माण, तालाब और एनिकट का गहरीकरण और बांध की ऊंचाई बढ़ाना । गहर के बाहर आंगन में बहते पानी नाली के रास्ते पक्की टंकी में इक्कठा करना, जिससे अशुद्ध पीने के पानी की समस्या को दूर किया जा सकता है । भू-जल को सही तरीके से सुरक्षित उपयोग करना ।	पंचायत द्वारा जल-संरक्षण योजना को अच्छे से लागू नहीं किया जा रहा । गाँव के लोगों की उदासीनता।
रोजगार के साधन	गाँव में रोजगार के साधन खेती या नरेगा है । कृषि उत्पादन की कमी । अच्छी नस्ल के पशुओं का अभाव । अच्छी तकनीकी	गाँव में खाली पड़ी जमीन और पहाड़ियों पर वृक्षारोपण, अच्छी नस्ल के पशुओं का पालन, सब्जी के खेती से आय के स्रोत बढ़ाये जा सकते	गाँव के लोगों के पास पर्याप्त खेती की जमीन का अभाव। उन्नतशील बीज का अभाव । जमीन के बेहतर प्रबंधन की कमी।

	प्रशिक्षण नहीं मिलना ।	हैं।	
जमीन	सभी लोगों के पास पर्याप्त खेती की जमीन नहीं होना। जमीन के पट्टे ना होना । जमीन का असमतल, असिंचित और पथरीली होना ।	खेती की जमीन की उर्वरा शक्ति को बढ़ाना। गाँव की सार्वजनिक खाली पड़ी जमीन पर फलदार वृक्षारोपण करवाना।	सभी लोगों के पास पर्याप्त जमीन का अभाव। खाली पड़ी जमीन के बेहतर उपयोग की योजना का अभाव।

- **नजरिया नक्शा**

गाँवसभा द्वारा तैयार गाँव विकास योजना में प्रस्तावित कार्यो का विवरण -

प्रस्तावित कार्य	संख्या
पेंशन के सम्बन्ध में	
वृद्धा पेंशन	9
विधवा पेंशन	2
विकलांग पेंशन	4
पालनहार 6-8 वर्ष	4
पी.एम., सी.एम. आवास योजना नए निर्माण	17
बकाया राशि भुगतान के सम्बन्ध में	4
शौचालय निर्माण के सम्बन्ध में	4
शौचालय की बकाया राशि भुगतान के सम्बन्ध में	8
स्कूल के सम्बन्ध में	
अध्यापक नियुक्ति	3
नये कमरे	4
आर. ओ. प्लांट लगाना	1
शौचालय में पानी	
आंगनवाडी भवन निर्माण के सम्बन्ध में	1
उप-स्वास्थ्य केंद्र निर्माण के सम्बन्ध में	1
राशन की दुकान खोलने के सम्बन्ध में	1
सामुदायिक भवन निर्माण के सम्बन्ध में	1
सड़क निर्माण के सम्बन्ध में	
पक्की सड़क	1
सी. सी. सड़क	5
कच्चा रास्ता	1
<u>केटेगरी 4 के कार्य</u>	
खेत समतलीकरण, मेड़बंदी, रिंगवाल,	55
कुआं गहरीकरण और मरम्मत एवं पशुवाडा निर्माण	
हैंडपंप के सम्बन्ध में	
नए हैंडपंप	6
हैंडपंप मरम्मत	5
आर. ओ. प्लांट लगाने के सम्बन्ध में	3
पक्के कच्चे चेकडैम निर्माण	39
एनिकट निर्माण व मरम्मत के सम्बन्ध में	1
नहर मरम्मत के सम्बन्ध में	1

नयी नहर निकालने के सम्बन्ध में	2
शमशान घाट निर्माण (स्नानघर, टिन-शेड, चबूतरा)	1
वृक्षारोपण के सम्बन्ध में	12
सामुदायिक दावा करने के सम्बन्ध में	
काबिज भूमि पर व्यक्तिगत दावा लगाना	
नये जॉब कार्ड बनवाने के सम्बन्ध में	10
श्रमिक कार्ड बनवाने के सम्बन्ध में	44

गाँव विकास नियोजन प्रक्रिया -

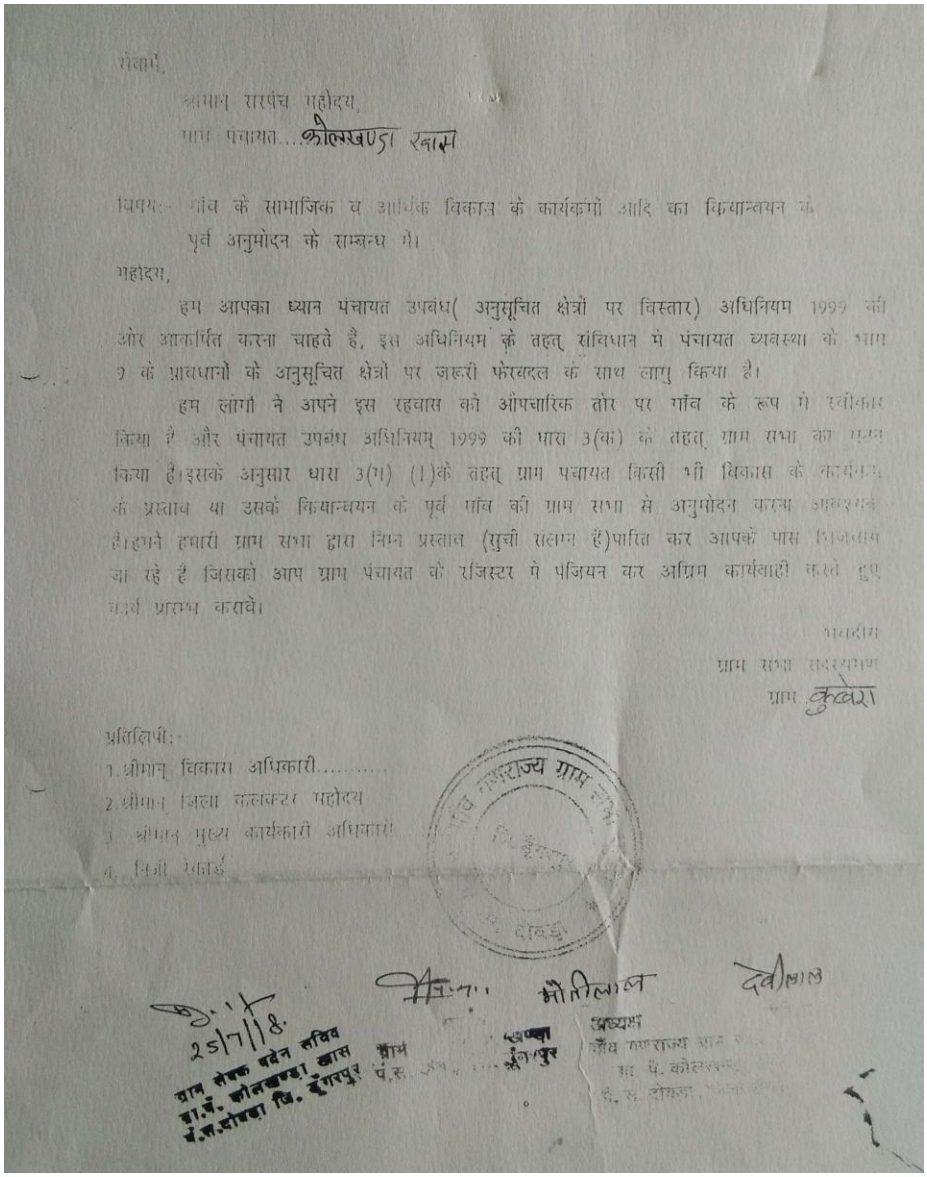

सेवामें,

श्रीमान सरपंच महोदय,

ग्राम पंचायत....कोलखण्डा खास

विषय:- गांव के सामाजिक व आर्थिक विकास के कार्यक्रमों आदि का क्रियान्वयन के पूर्व अनुमोदन के सम्बन्ध में।

महोदय,

हम आपका ध्यान पंचायत उपबंध(अनुसूचित क्षेत्रों पर विस्तार) अधिनियम 1999 की ओर आकर्षित करना चाहते है, इस अधिनियम के तहत् संविधान मे पंचायत व्यवस्था के भाग 9 के प्रावधानों के अनुसूचित क्षेत्रों पर जरूरी फेरबदल के साथ लागु किया है।

हम लोगों ने अपने इस रहवास को औपचारिक तौर पर गाँव के रूप मे स्वीकार किया है और पंचायत उपबंध अधिनियम् 1999 की धारा 3(क) के तहत् ग्राम सभा का गठन किया है।इसके अनुसार धारा 3(ग) (1)के तहत् ग्राम पचायत किसी भी विकास के कार्यक्रम के प्रस्ताव या उसके क्रियान्वयन के पूर्व गाँव की ग्राम सभा से अनुमोदन करना आवश्यक है।हमने हमारी ग्राम सभा द्वारा निम्न प्रस्ताव (सुची सलग्न हैं)पारित कर आपके पास भिजवाये जा रहे हैं जिसको आप ग्राम पंचायत के रजिस्टर मे पंजियन कर अग्रिम कार्यवाही करते हुए कार्य प्रारम्भ करावे।

भवदीय

ग्राम सभा सदस्यगण

ग्राम कुल्वेरा

प्रतिलिपी:-

1.श्रीमान् विकास अधिकारी..........

2.श्रीमान् जिला कलक्टर महोदय

3. श्रीमान मुख्य कार्यकारी अधिकारी

4. निजी रेकार्ड

मोतिलाल देवीलाल

25/7/18

ग्राम सेवक पदेन सचिव ग्रा.पं. कोलखण्डा खास पं.स.दोवड़ा जि. डूंगरपुर

अध्यक्ष

DATE 01 07 2018

पेसा कानून 1996, राजस्थान सरकार अधिनियम 1999, नियम 2011 के अंतर्गत कुबेरा गाँव की गाँव सभा आज दिनांक 1/7/2018 को शिलालेख पर आयोजित की गई। बैठक मे उपस्थित गाँव वासियो ने श्रीमान अमरो/धन जी भगोरा को अध्यक्ष चुना गया जिनकी अध्यक्षता में गाँव सभा की कार्यवाही की गई। गाँव सभा बैठक मे निम्नलिखित प्रस्तावो पर चर्चा कर के उनका अनुमोदन किया गया।

एजेण्डा:-

1 पेंशन के सम्बंध में:-

(अ) वृद्धा पेंशन - नये आवेदन / पुनः चालू करवाना
(ब) विधवा पेंशन - नये आवेदन / पुनः चालू करवाना
(स) विकलांग पेंशन - नये आवेदन / पुनः चालू करवाना
(द) पालनहार - (0 से 5 और 6 से 18) वर्ष - नये आवेदन / पुनः चालू

2. पी.एम और सी.एम आवास के सम्बंध में:- नये आवेदन / बकाया किस्त भुगतान

3. शौचालय के सम्बंध मे:- नये आवेदन / बकाया किस्त भुगतान

4. स्कूल के सम्बंध मे:-
(अ) अध्यापकों की नियुक्ति
(ब) कक्ष निर्माण
(स) शुद्ध पानी की व्यवस्था
(द) छात्र - छात्राओं के लिए अलग² - शौचालय और पानी की व्यवस्था
(य) बाउन्डी निर्माण,
(र) दरी व्यवस्था

classmate PAGE

DATE

5. आंगनवाडी के सम्बंध में:-
(अ) भवन निर्माण
(ब) पोषाहार की गुणवत्ता

[6] स्वास्थ्य केन्द्र के सम्बंध में:-
(अ) नया भवन निर्माण

[7] राशन की दुकान खोलने के सम्बंध में:-

[8] सामुदायिक भवन निर्माण के सम्बंध में:-

[9] रास्ता निर्माण के सम्बंध में:-

[10] खेत समतलीकरण / मेडबन्धी, कुआँ गहरीकरण, नया कुआँ, खेत तलावडी, पशुबाडा निर्माण के सम्बंध में।

[11] हेण्डपम्प के सम्बंध में

[12] चेकडेम मरमत और नया निर्माण के सम्बंध में

[13] एनीकट मरमत और नया निर्माण के सम्बंध में

[14] सिंचाई के लिए नहर निर्माण और मरमत के सम्बंध में

[15] श्मशान घाट निर्माण के सम्बंध में

[16] वृक्षारोपण के सम्बंध में

[17] सामुदायिक वन दावा पत्र पेश करने के सम्बंध में

[18] काबिज भूमि पर व्यक्तिगत दावा करने के सम्बंध में

[19] नये जॉब कार्ड, श्रमिक कार्ड बनवाने के सम्बंध मे।

classmate PAGE

DATE

प्रस्ताव क्रमांक	प्रस्ताव जो रखे गये	प्रस्ताव जो पारित हुए	अनुमानित राशि	सम्बंधित विभाग	हस्ताक्षर
39	लक्ष्मी / रामनारायण भगोरा				मणी देवी
40	मणी / प्रिंस भगोरा				
41	लक्ष्मी / हीरा भगोरा				
42	कंकु / धनिया भगोरा				
43	गौरी / वासुदेव परमार				
44	सेरा / धुला परमार				दुर्गाशंकर
					सुरता
	गाँव सभा की कार्यवाही को अग्रसारित करने के लिए निम्नलिखित लोगों को अधिकृत किया गया।		अध्यक्ष के बैठक में आमंत्रित गाँव वासियों को धन्यवाद देकर बैठक का समापन किया		सुरीया

① देवीलाल / वालु परमार
② मोतीलाल / लालु परमार
③ नरेश / धीरजी ननोमा
④ डूंगा / गौतम ननोमा
⑤ जीवा / धुला भगोरा
⑥ धुला / अवजी परमार
⑦ मोहनलाल / पुंजीलाल परमार
⑧ केवाराज / सोमता परमार

मोतीलाल देवीलाल
अध्यक्ष सचिव
गाँव गणराज्य ग्राम सभा कुबेरा
ग्रा. पं. कोलखण्डा खास
पं. स. दोवडा, जिला डूँगरपुर

अमरो
(बैठक अध्यक्ष)

मोतीलाल देवीलाल
अध्यक्ष सचिव
गाँव गणराज्य ग्राम सभा कुबेरा
ग्रा. पं. कोलखण्डा खास
पं. स. दोवडा, जिला डूँगरपुर

सुरी
काउडी
मीएं
हा

विलेज प्लानिंग फेसिलिटेटर टीम (वीपीएफटी)

1.	देवीलाल	8769399263
2.	अमृतलाल	9799473748
3.	होमा भगोरा	9571918556
4.	शांति	7742706773
5.	नरेश	7728942965